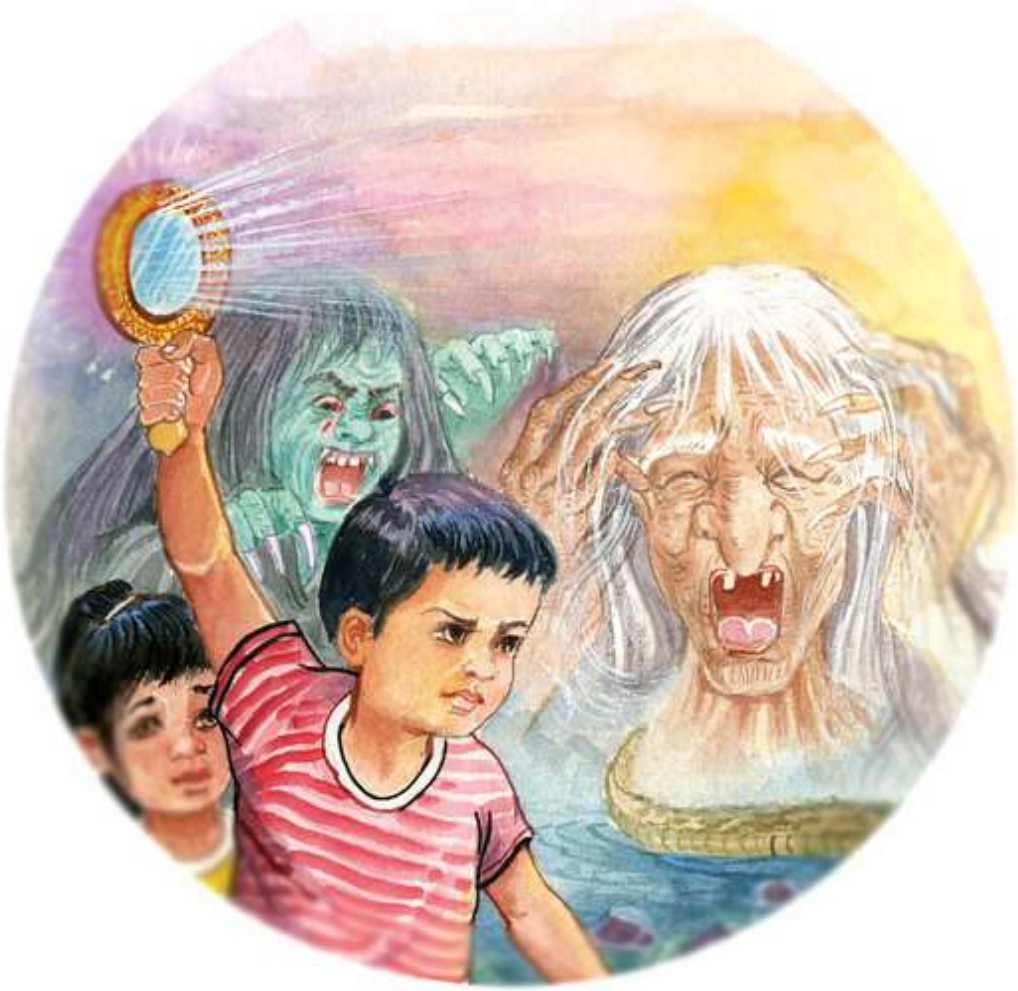

storyweaver Community

पठन स्तर ३

जादुई दर्पण

Author: Nin Monthakondeaklin
Illustrator: UK Nhal
Translator: Dr. Mohd. Arshad Khan

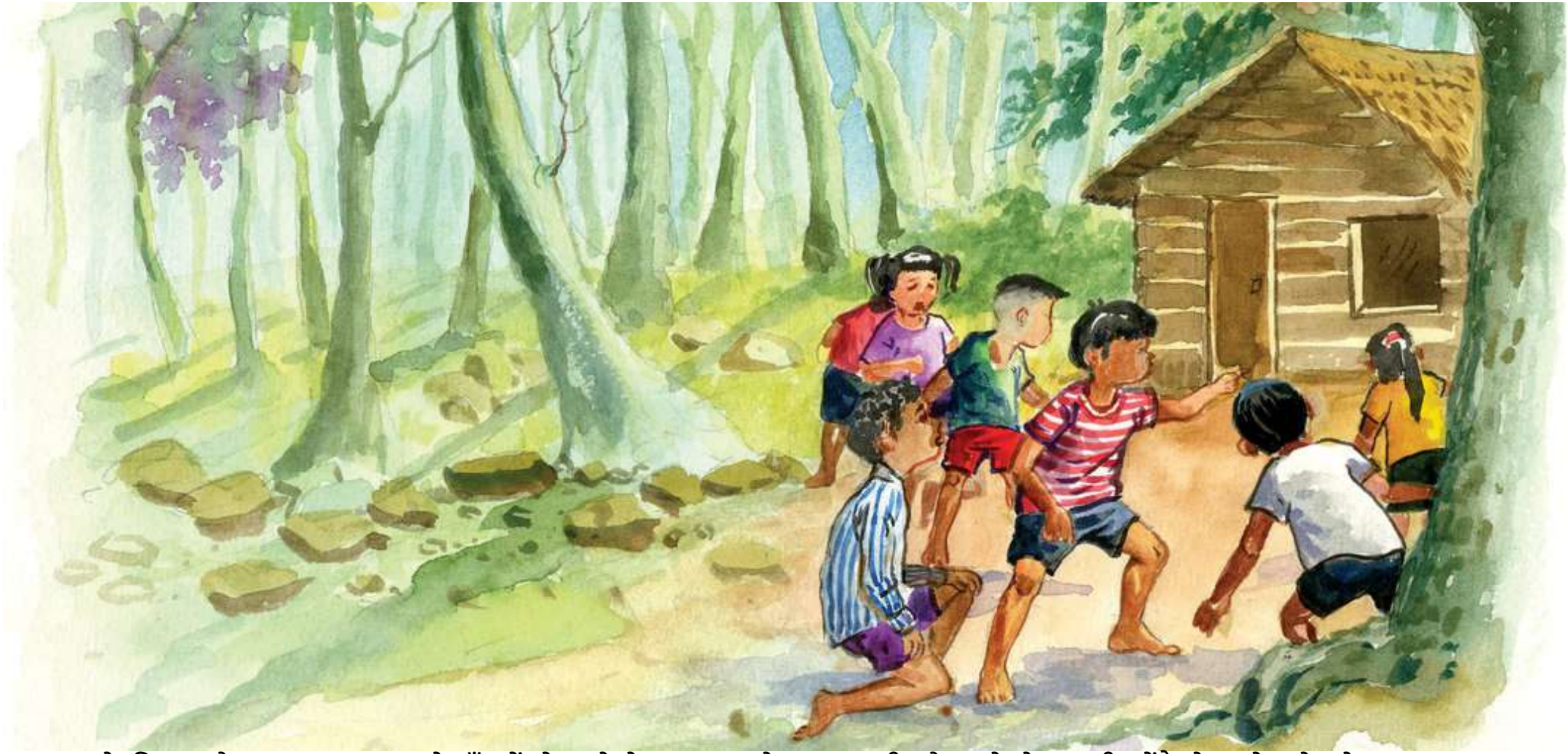

बहुत पहले की बात है। एक बार कुछ बच्चे गाँव में खेल रहे थे। अचानक तेज़ हवा चली और सारे दोस्त उसी झोंके मे बहते चले गये।
“यह कौन सी जगह है?” उन्होने पूछा, “हम कहाँ आ गए? यह जगह बहुत शांत और डरावनी लग रही है।“
“देखो, वहाँ एक घर है।“ एक ने कहा, “हमें चलकर देखना चाहिए, हो सकता है हमारी मदद के लिए वहाँ कोई हो।“

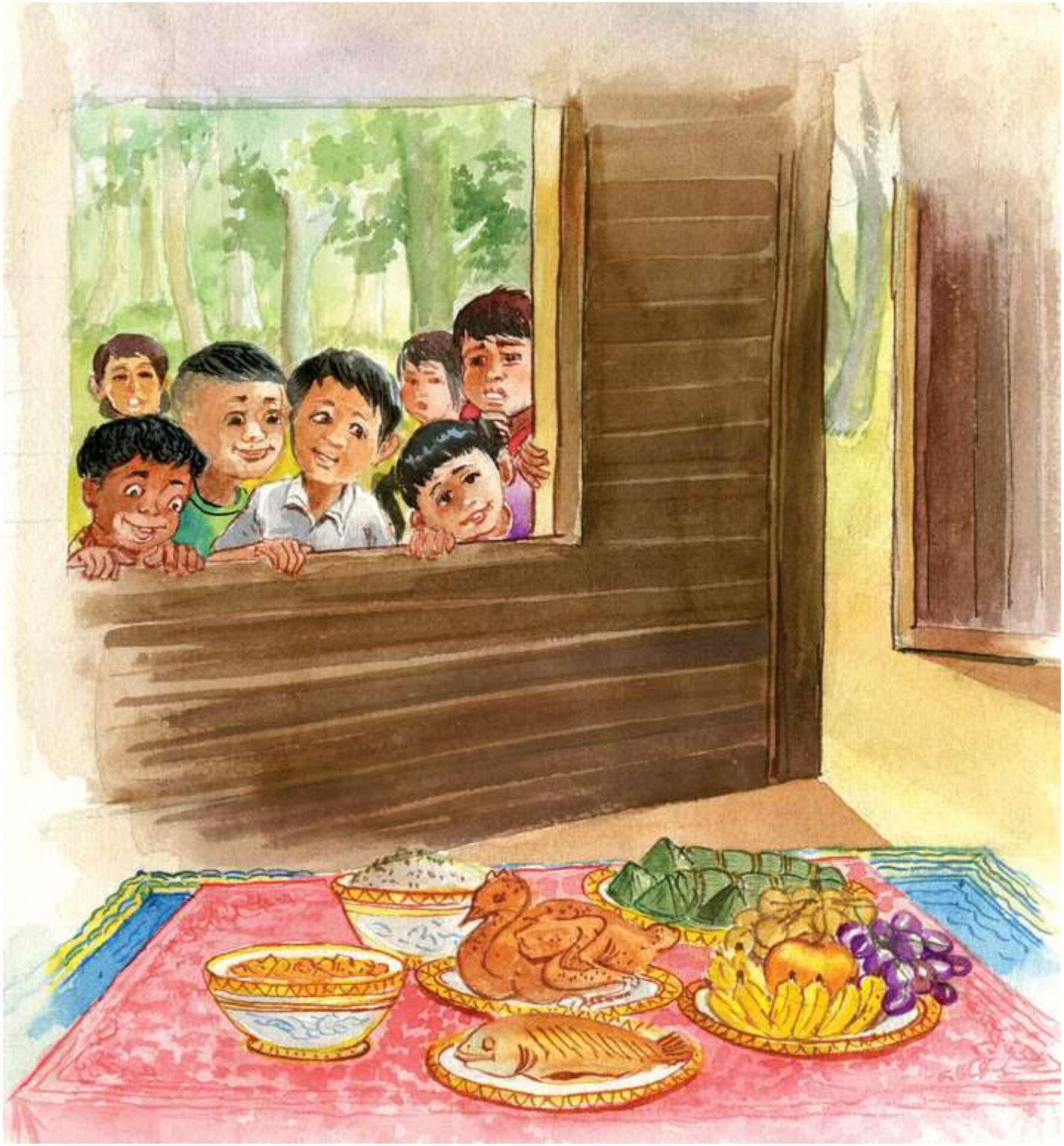

बच्चे उस घर की ओर चल पड़े। उन्होंने खिड़की से झाँका। अंदर स्वादिष्ट व्यंजनों से भरी एक मेज़ सजी थी। अचानक सामने का दरवाजा मानो जादू से खुल गया।

उन्हें एक अजीब सी आवाज़ सुनाई दी, “तुम सब भूखे लग रहे हो। आओ और जी भर खाओ।“

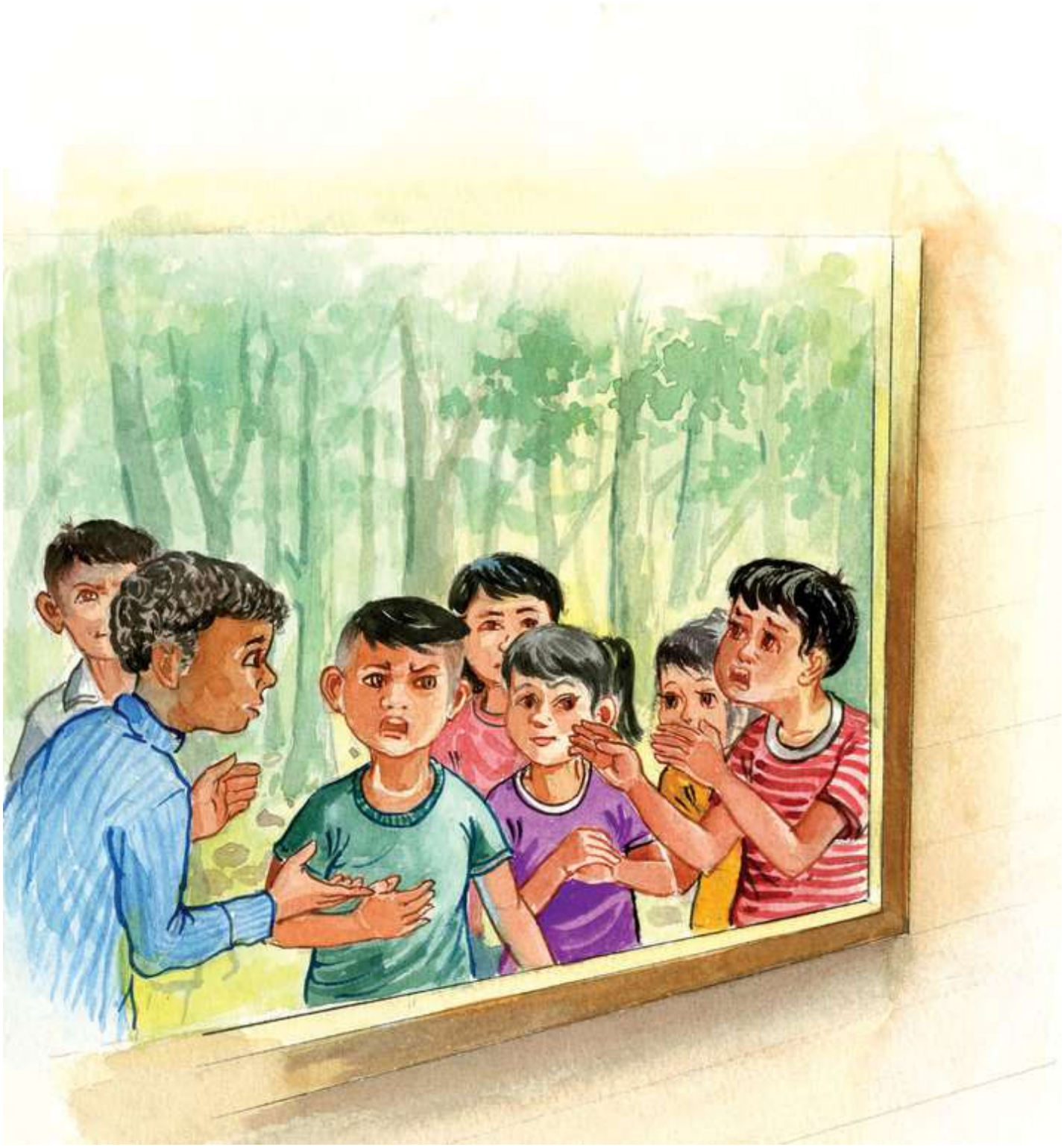

सैम को शक हुआ। उसने अपने दोस्तों को सचेत करते हुए कहा, “ मुझे नहीं लगता कि हमें ये व्यंजन खाने चाहिए।“

“लेकिन हमें बहुत भूख लगी है,” दोस्त व्याकुल होकर बोले, “हमसे यह भूख अब और नहीं सही जा रही है। और व्यंजन भी देखो कितने स्वादिष्ट हैं!“

तभी एक दोस्त ने सैम से कहा, “तुम्हें नहीं खाना तो मत खाओ, पर हमें मत रोको।“

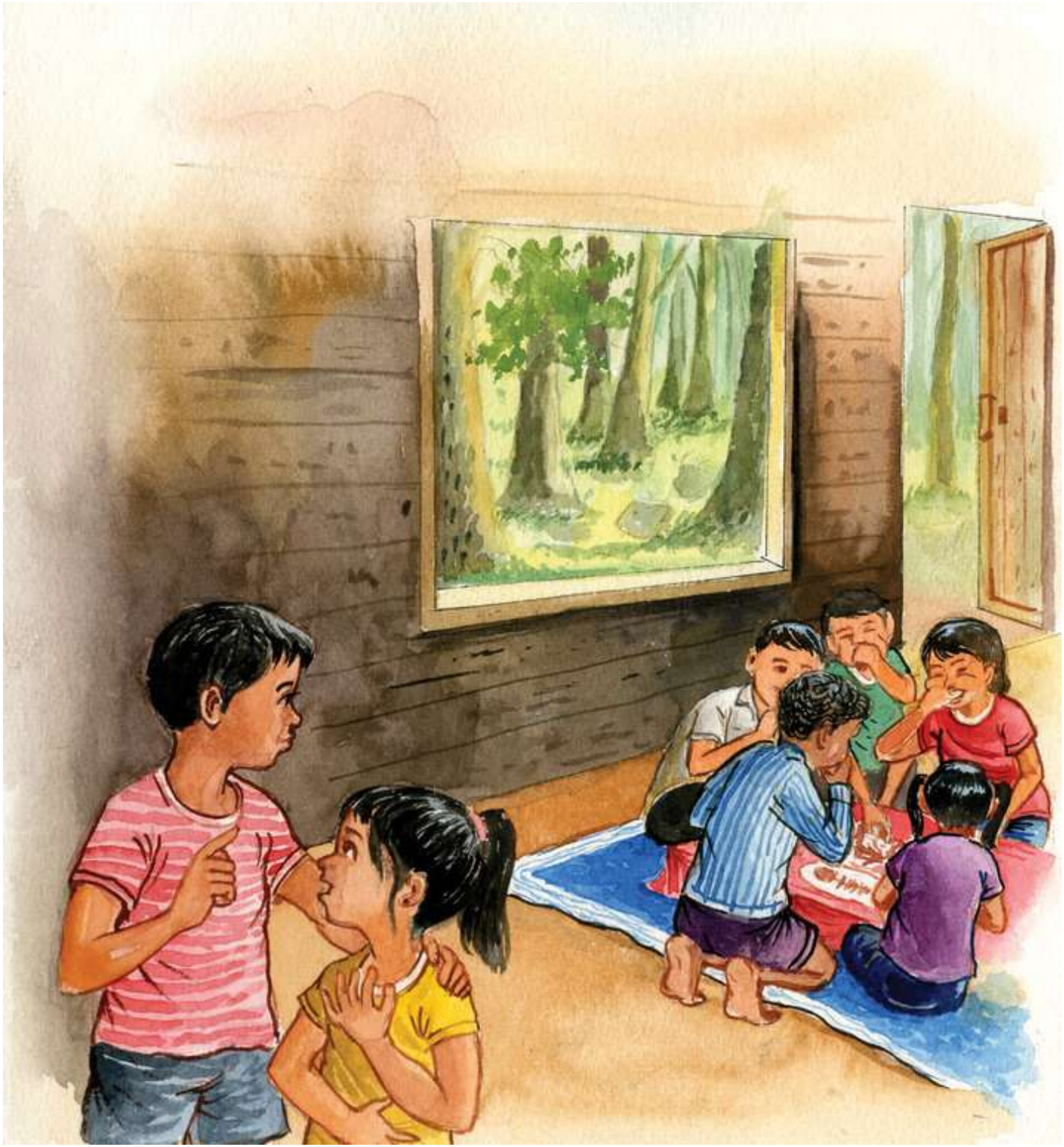

जैसे ही सारे दोस्त खाने के लिए अंदर गए, सैम ने अपनी बहन का हाथ कसकर पकड़ लिया।

"सैम, मुझे बहुत भूख लगी है," वह गिड़गिड़ाई, "मैं भी सबके साथ खाना चाहती हूँ!"

सैम ने इंकार में सिर हिला दिया। "नहीं, सोय, बिलकुल नहीं। याद नहीं हमारे माता-पिता ने हमें क्या बताया था-- अपना पेट भरने के लिए मत खाओ, अपने अहंकार के लिए कार्य मत करो। और क्या तुम्हें नहीं लगता कि यह घर थोड़ा अजीब है?”

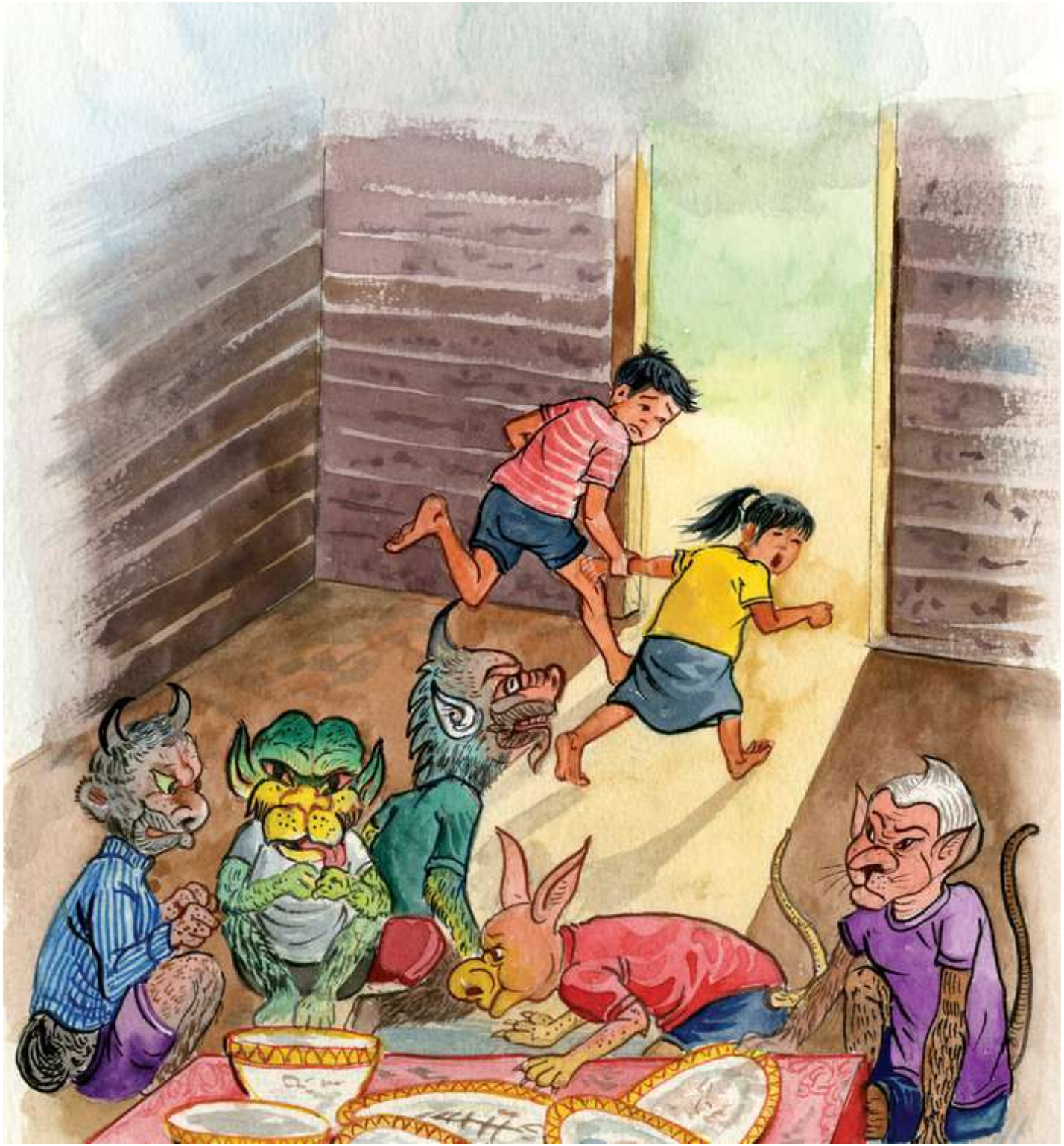

तभी, सैम और सोय ने देखा कि उनके दोस्त राक्षस बन गए...! सैम ने सोय का हाथ पकड़ा और दरवाजे से निकलकर जंगल में भाग गया।

तभी घर के अंदर, एक पुरानी चुड़ैल प्रकट हुई। राक्षस बने बच्चों को गिनते ही चुड़ैल का चेहरा गुस्से से सख्त हो गया।

"बाकी दो लड़के कहाँ हैं?" वह कर्कश आवाज़ मे चिल्लाई। फिर वह सैम और सोय कि तलाश में उड़ गई।

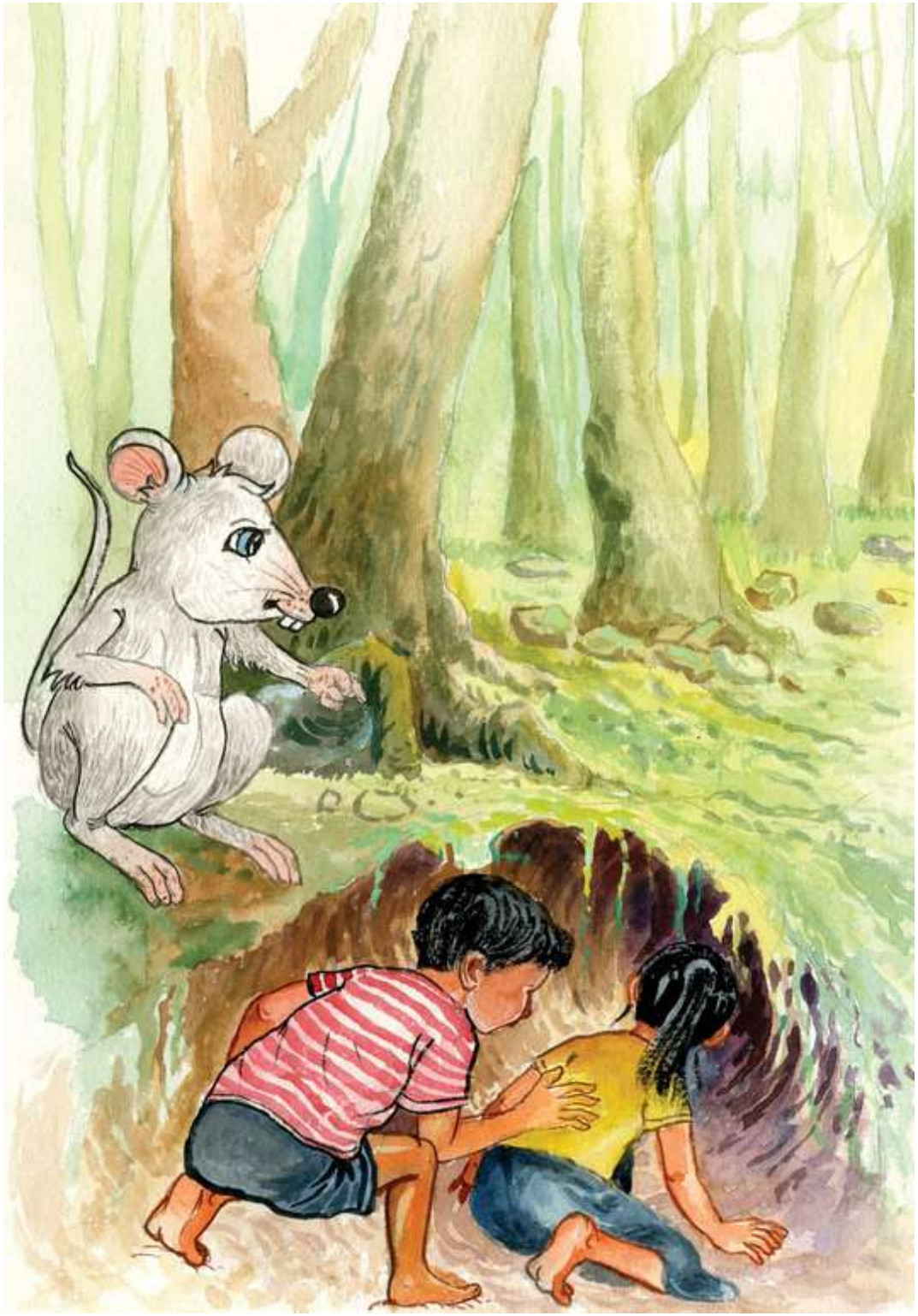

सैम और सोय जंगल के रास्ते भागते-भागते छिपने की जगह तलाश करने लगे।

तभी एक बड़ा सफेद चूहा उनके सामने आ गया। "मेरी मांद में आ जाओ," उसने कहा, "मैं छिपने में तुम्हारी मदद करूँगा!"

“मुझे बहुत डर लग रहा है, सैम!” सोय ने चूहे की मांद में छिपते हुए कहा, “अगर चुड़ैल ने हमें ढूंढ लिया तो?”

सैम ने अपनी बहन को दिलासा दिया, "उसके बारे में मत सोचो, नहीं तो चुड़ैल हमारे डर को सूँघ सकती है।"

सफेद चूहे की मांद के भीतर छिपे बच्चे उनकी तलाश मे चीखती-चिल्लाती चुड़ैल की आवाज़ सुन सकते थे। आखिरकार चुड़ैल उन्हें तलाशने में असफल होकर उड़ गई। सफेद चूहे ने कहा, "चुड़ैल के घर में खाना न खाकर तुमने बहुत समझदारी दिखाई।"

"उसने हमारे दोस्तों के लिए ऐसा क्यों किया?" सैम और सोय से पूछा।

चूहे ने उन्हें बताया कि उसके मालिक ने उसे सौ बच्चों को राक्षसों में बदलने और उन्हें लाने का आदेश दिया है।

"जब वह सौ बच्चों को राक्षस में बदलकर उसके पास ले जाएगी तो उसका मालिक उसे अमर बना देगा," चूहे ने बताया।

"मैं अपने दोस्तों को फिर से इंसान बनने में कैसे मदद कर सकता हूं?" सैम से पूछा।

"यह कहना मुश्किल है," चूहे ने उदास होकर कहा। "अगर तीन दिनों के भीतर तुम्हें कोई मायावी उपाय नहीं मिला तो वे हमेशा के लिए राक्षस बने रहेंगे।"

"ओह नहीं! मुझे बहुत डर लग रहा है, सैम," सोय रोते हुए बोली।

"डरो मत, सोय। हमें मजबूत रहना चाहिए," सैम ने उसे गले लगाते हुए कहा।

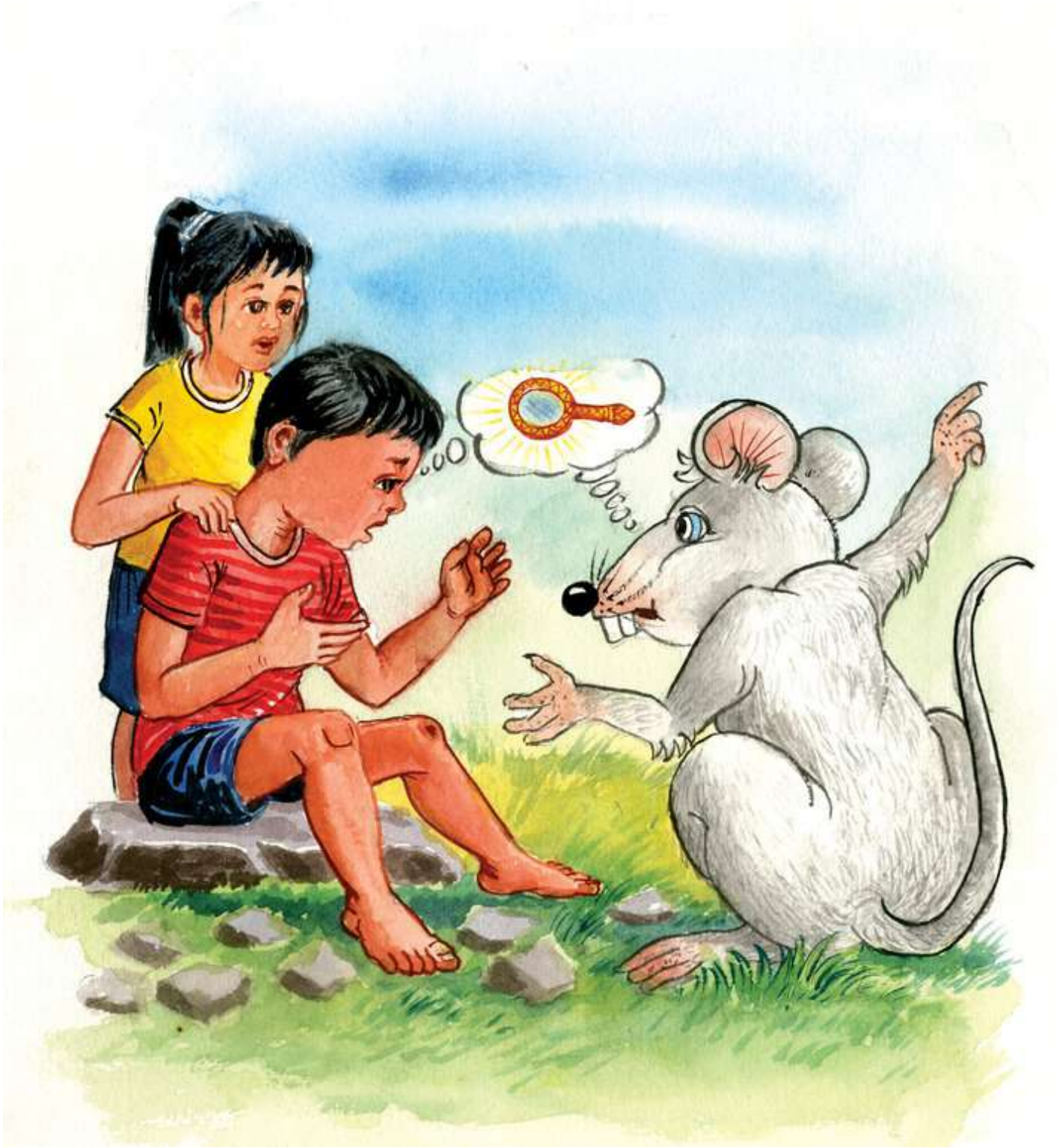

"क्या तुम्हें पता है कि हम अपने दोस्तों की मदद कैसे कर सकते हैं?"
सैम ने चूहे से पूछा।
"हाँ," चूहे ने कहा, "तुम्हें रहस्यमयी मंदिर में जादुई दर्पण ढूंढना होगा। वह तुम्हारे दोस्तों को बचाने में मदद करेगा!
"

"पर यह रहस्यमय मंदिर है कहाँ
?" सैम ने पूछा।
“यहाँ से बहुत दूर पूरब में। जल्दी जाओ, अब देर मत करो!” चूहे ने कहा।

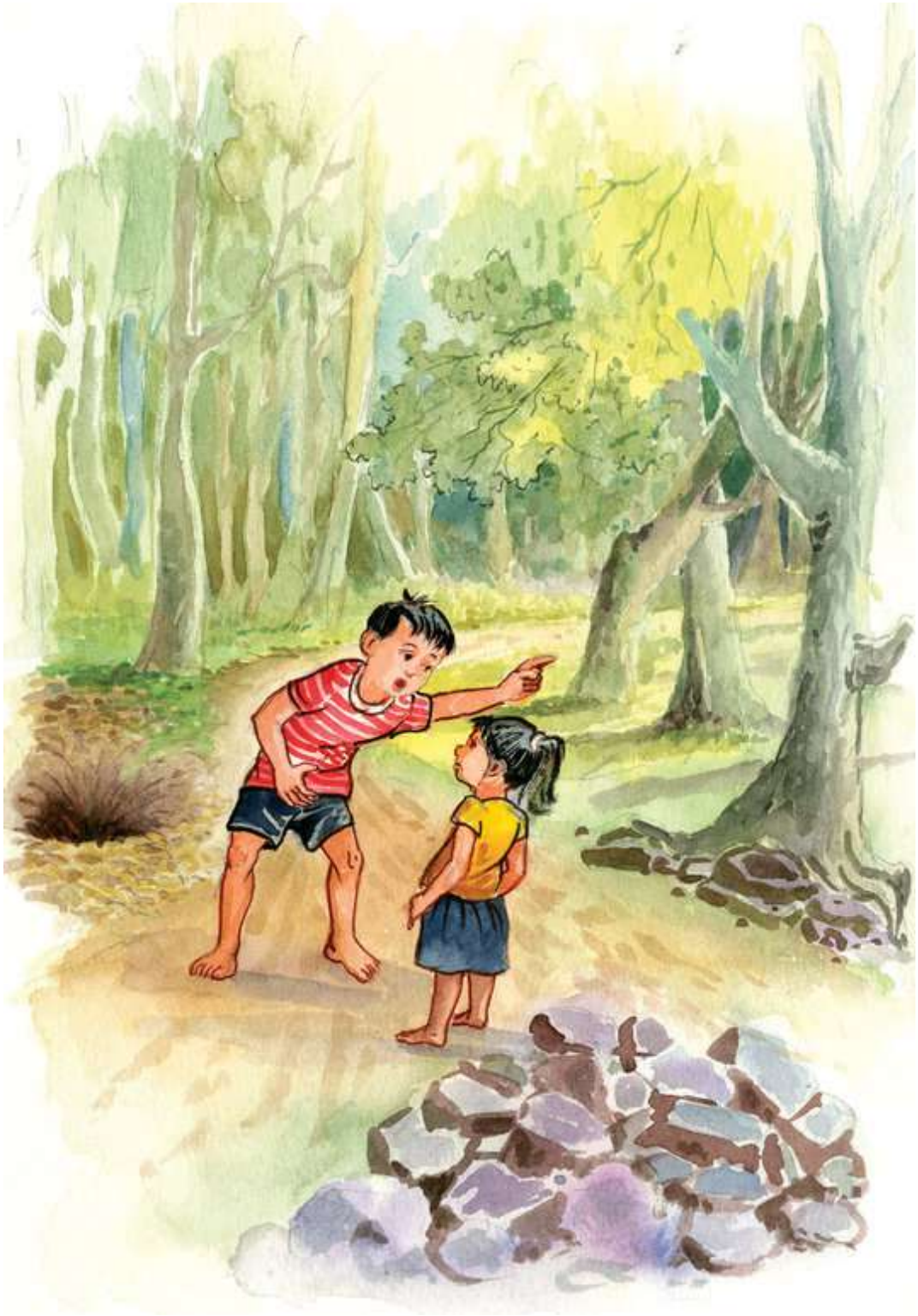

वे चूहे को छोड़कर ज्योही आगे बढ़े कि सैम ने कहा, "सोय, तुम्हें आस-पास किसी गाँव में जाकर उन्हें बताना चाहिए कि हमारे दोस्तों के साथ क्या हुआ है। इस बीच मैं पूरब की तरफ जाता हूँ और जादुई दर्पण ढूंढने कि कोशिश करता हूँ।“

जैसे ही सैम चला, उसे अपने दादा की बात याद आई --"तुम्हारे शब्द तुम्हें अपना रास्ता खोजने में मदद करेंगे।" सड़क के किनारे, सैम को एक औरत मिली। "क्षमा करें," उसने कहा, "क्या आप जानती हैं कि रहस्यमय मंदिर के लिए कौन सा रास्ता जाता है?"
“ये सड़क देख रहे हो?इस पर तब तक चलते जाओ जब तक एक बड़ी झील न मिल जाए। उसके दूसरी तरफ तुम्हे रहस्यमयी मंदिर मिलेगा," औरत ने उससे कहा।

अपना सफर तय करते-करते, सैम एक चट्टान के किनारे पहुंचा। तभी उसकी नज़र नीचे गई। उसने देखा चील का एक बच्चा पानी कि तेज़ धारा में फंसा हुआ है।

वह फौरन पानी में कूद गया और उसे बचाकर बाहर ले आया। जैसे ही वह बाहर आया कि एक बड़ी चील उसके पास आकर बैठ गई।

"मेरे बच्चे को बचाने के लिए बहुत बहुत धन्यवाद!" चील ने खुश होकर कहा, "क्या तुम अपने आपको गर्म करने के लिए मेरे घोंसले में आना चाहोगे?"

सैम खुशी-खुशी राज़ी हो गया।

चील के घोंसले में गर्मी पाकर सैम को कुछ राहत मिली। तब चील ने उसे एक अंगूठी दी।

"मुझे यह अंगूठी तब मिली थी जब मैं अपना घोंसला बनाने के लिए तिनके इकट्ठा कर रही थी," उसने बताया, "मुझे यह एक शक्तिशाली अंगूठी लगती है। तुम इसे ले लो जिससे तुम्हें अपने दोस्तों को बचाने में मदद मिल सके।"

"बहुत बहुत धन्यवाद, चील," सैम ने कहा, “क्या तुम यह बता सकती हो कि मैं रहस्यमय मंदिर तक कैसे पहुंच सकता हूं?

"तुम मेरी पीठ पर सवार हो जाओ। मैं तुम्हें वहां ले चलूँगी," चील ने कहा, और सैम को लेकर आकाश में उड़ गई।

उड़ते-उड़ते वे एक विशाल झील के किनारे पहुँचे। वहाँ, चील ने सैम को उतार दिया और कहा "खुद पर यकीन रखना।"

"मैं तुम्हारी बात का ध्यान रखूँगा। धन्यवाद, चील, "सैम ने कहा।

जैसे ही सैम झील की ओर बढ़ा कि वह परेशान हो उठा। झील खतरनाक मगरमच्छों से भरी हुई थी।
उसने स्थिति पता करने के लिए एक लकड़ी फेंकी। एक मगरमच्छ ने लपककर उस लकड़ी को अपने जबड़े में भींच लिया।

सैम निराश हो गया। वह सोचने लगा कि तीन दिन पूरे होने से पहले वह मंदिर तक कैसे पहुंचेगा।

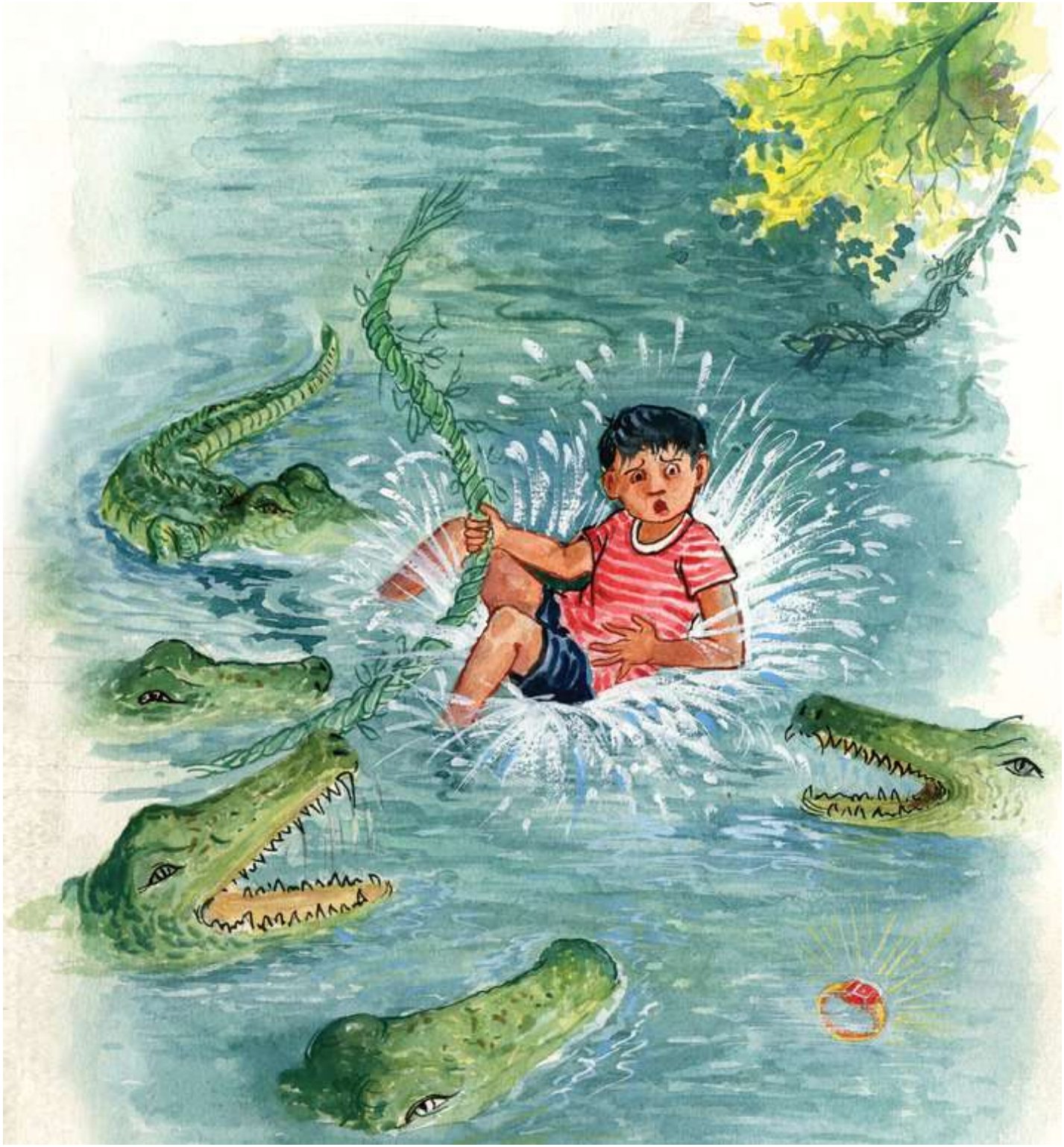

सैम ने झील के चारों ओर नज़र दौड़ाई। उसने देखा कि वहाँ बहुत सारे पेड़ थे, जिन पर लताएँ लटकी हुई थीं।

अचानक उसके दिमाग में एक विचार कौंधा।

उसने बेलों को आपस में बांधकर एक मोटी रस्सी बना ली। फिर जितना हो सकता था वह उतनी ताकत लगाकर उस पार उछला। वह दूसरी तरफ बस पहुंचने ही वाला था कि ...

चटाक!

अचानक बेल टूट गई और सैम झील में गिर गया। अगले ही पल वह मगरमच्छों से घिर गया।

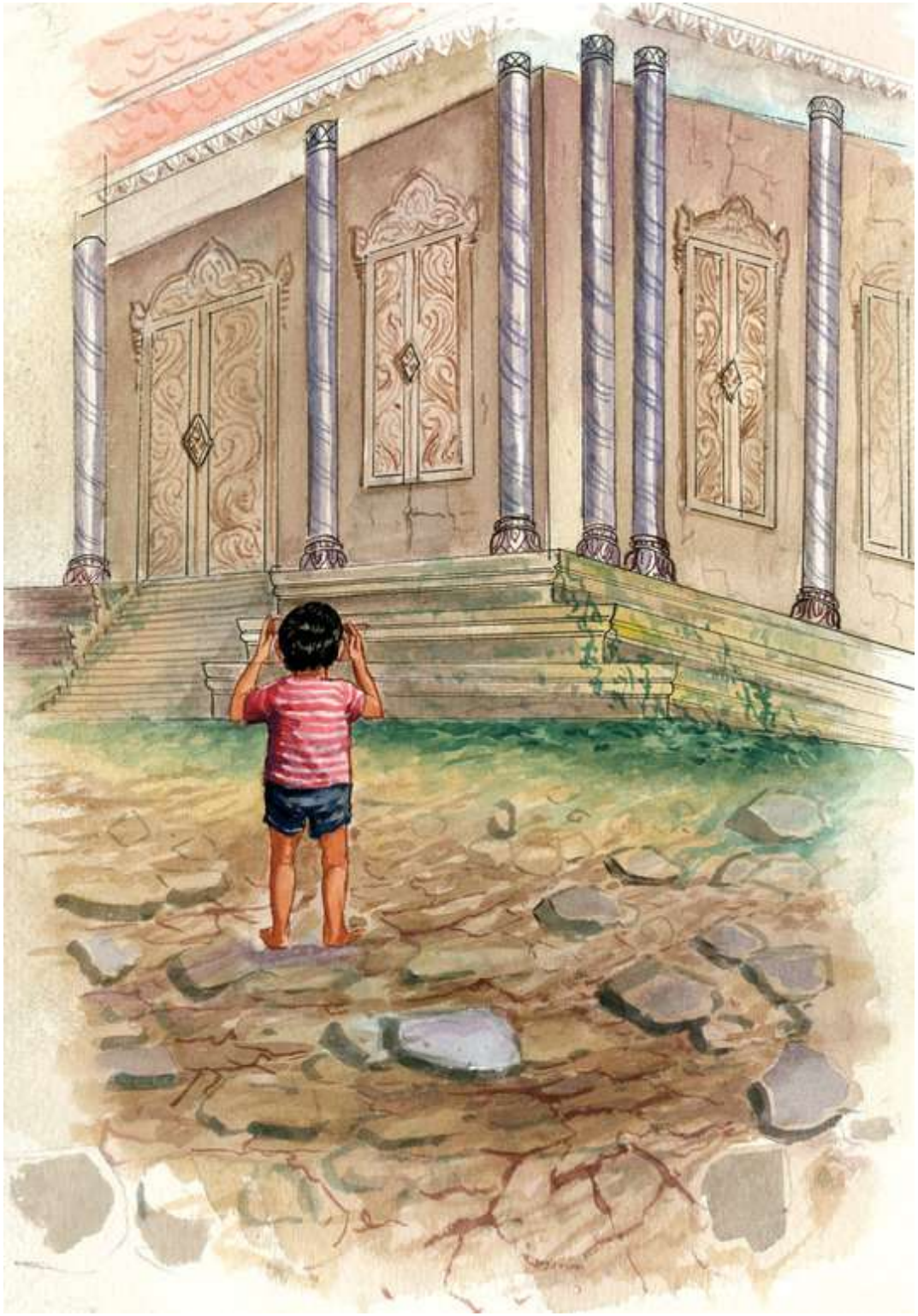

गिरते ही, उसकी उंगली से अंगूठी फिसलकर पानी में गिर गई। जैसे ही अंगूठी ने पानी को छुआ, पूरी झील जम गई और मगरमच्छ मूर्तियाँ बन गए! सैम फौरन मंदिर की ओर भागा। उसने मंदिर के बाहर नम्रतापूर्वक भिक्षुओं को संबोधित किया, “वंदनीय भिक्षुओ, मैं आपको प्रणाम करता हूं। क्या कोई यहां पर है?"
लेकिन किसी ने उसका जवाब नहीं दिया।
सैम ने पंजों के बल चलते हुए मंदिर में प्रवेश किया। वहां उसे एक चमकदार रोशनी दिखाई दी। एक ऊंची पीठ पर जादुई दर्पणरखा हुआ था।

उसने दर्पण को पाने के लिए हाथ बढ़ाया ही था, कि तभी एक योगिनी प्रकट हुई।

"तुम ढीठ बच्चे हो! तुम मेरा दर्पण चुराना चाहते हो? मैं तुम्हें खा जाऊंगी," योगिनी गुर्राई।
"नहीं, नहीं, मुझे मत खाओ!" सैम गिड़गिड़ाया, "मुझे इस दर्पण की ज़रूरत है क्योंकि इसकी मदद से मुझे अपने दोस्तों को बचाना है। मेरे दोस्तों को एक चुड़ैल ने राक्षस बना दिया है। मैं वादा करता हूं कि अपना काम पूरा करके इसे वापस ले आऊंगा। तब तुम मुझे खा लेना।"
"मैं तुम पर भरोसा कैसे करूँ?" योगिनी से गुस्से से पूछा।
"मैं झूठ नहीं बोलता," सैम ने कहा। "मैं वादा करता हूं कि मैं वापस ज़रूर आऊंगा।"

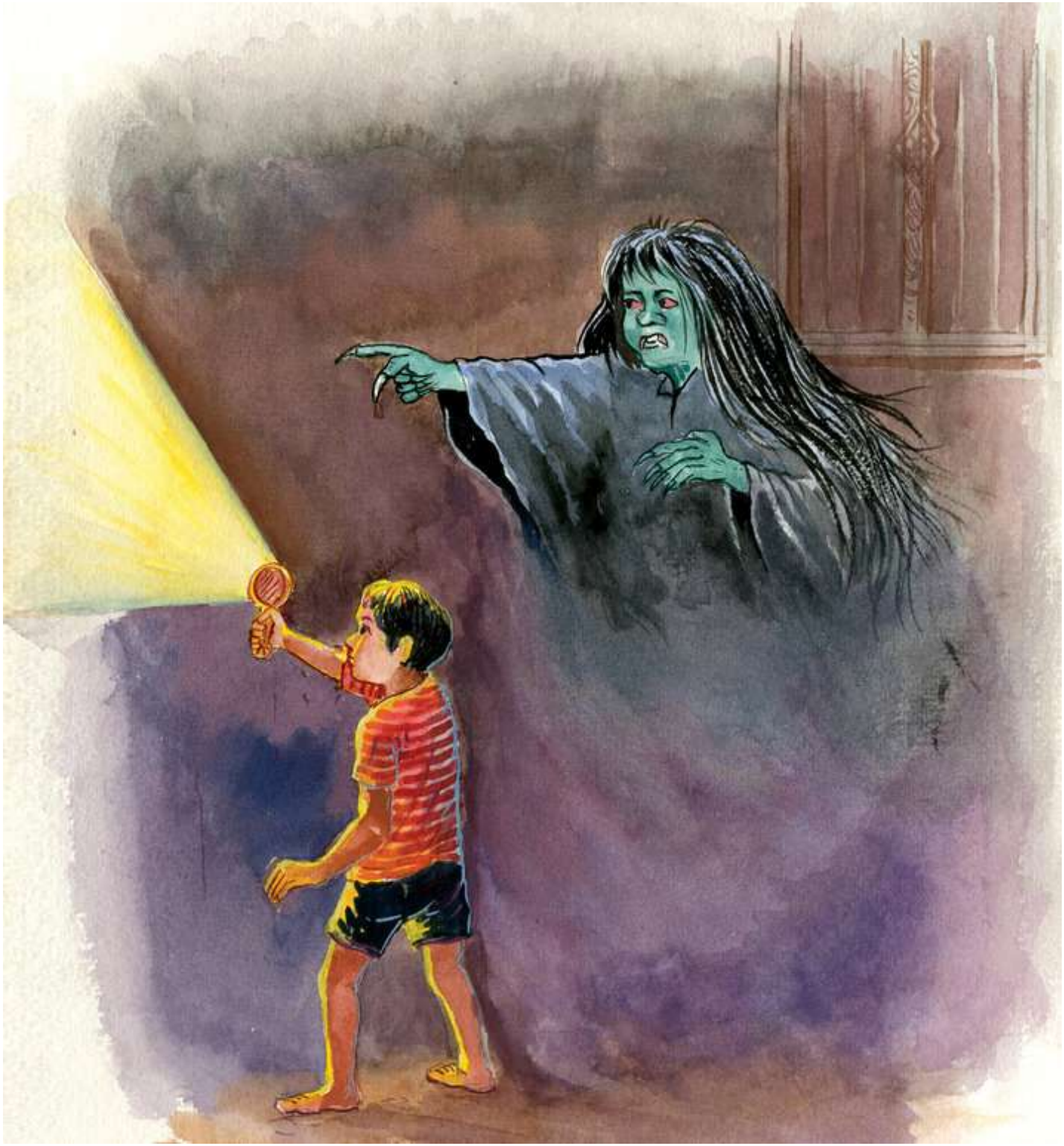

"हूँ...," योगिनी ने कहा, "तुम दर्पण ले जा सकते हो, लेकिन ध्यान रहे, अपना वादा मत तोड़ना।"
"मुझ पर विश्वास रखो," सैम ने कहा, "पर मुझे चिंता इस बात की है कि मैं अपने दोस्तों के पास समय पर नहीं पहुँच पाऊँगा।"

"दीवार पर इस दर्पण की रोशनी डालो और उसके सहारे चले जाओ," योगिनी ने कहा, "तीसरे दिन के पूरा होने से पहले तुम अपने दोस्तों तक पहुंच जाओगे।"

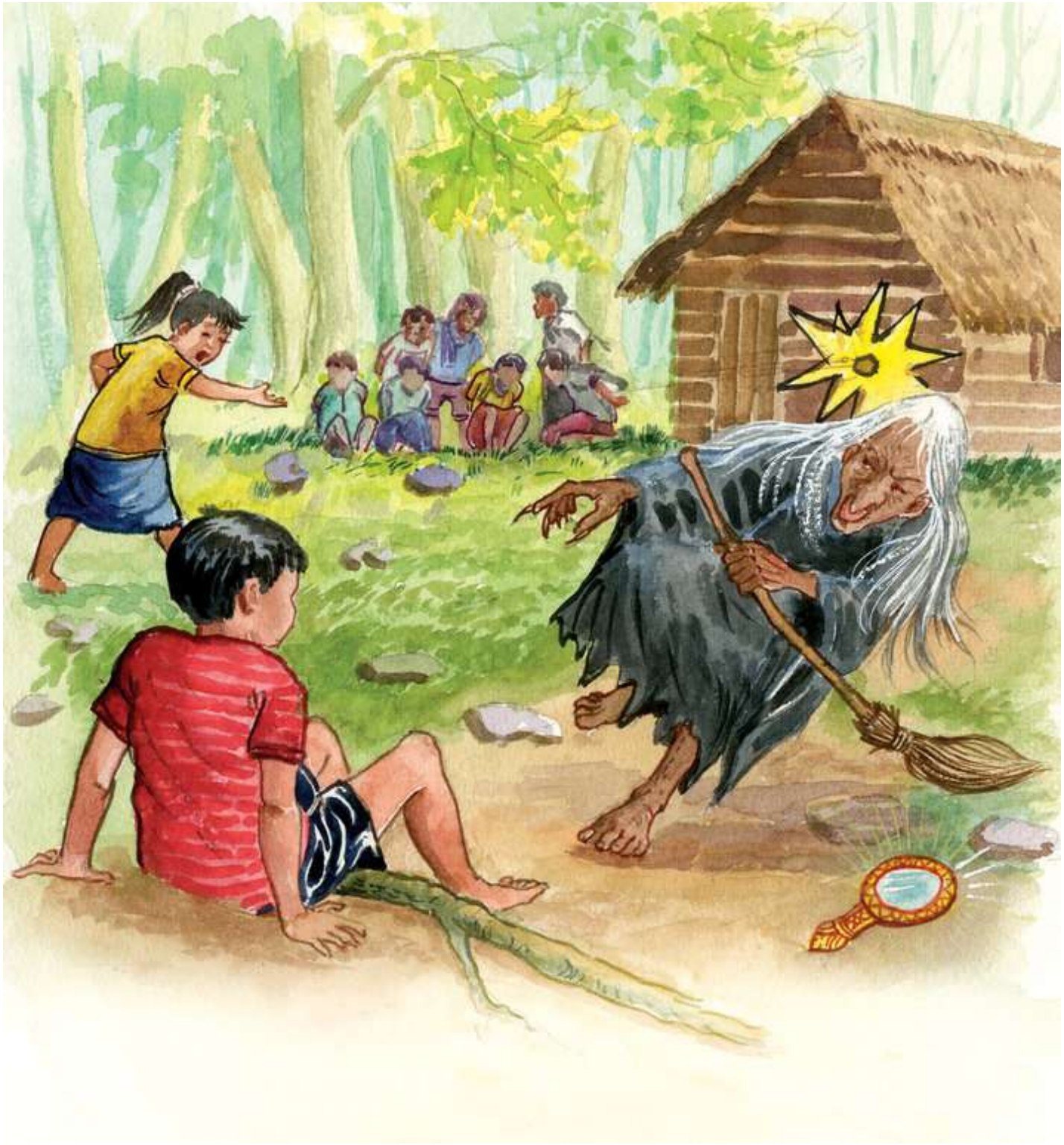

सैम ने योगिनी के बताए अनुसार काम किया और खुद को चुड़ैल के घर पर पाया।

अरे नहीं! सैम ने देखा कि चुड़ैल उसकी बहन सोय और कुछ गाँव वालों का अपहरण करने की कोशिश कर रही थी।

यह देखकर सैम चिल्लाया। चुड़ैल सैम को शाप देने के लिए पलटी, लेकिन तभी सोय ने उसकी ओर एक पत्थर फेंका। चुड़ैल सैम को छोडकर सोय की ओर लपकी। लेकिन सोय बिना देरी किए सफेद चूहे की मांद में घुस गई।

चुड़ैल जब सैम को पकड़ने के लिए वापस लौटी, तो सैम वहाँ से गायब हो चुका था।

सैम अपनी बहन के साथ चूहे की माँद में छिप गया था। अब वे दोनों दर्पण लेकर चुड़ैल का सामना करने लगे। दो छोटे बच्चों को इतनी बहादुरी से सामना करते देख, वह गुस्से से चिल्लाई और उन पर आग का एक गोला फेंका।

लेकिन जादुई दर्पण ने वह आग का गोला चुड़ैल पर परावर्तित कर दिया। चुड़ैल चीख पड़ी और जलकर राख का ढेर बन गई।

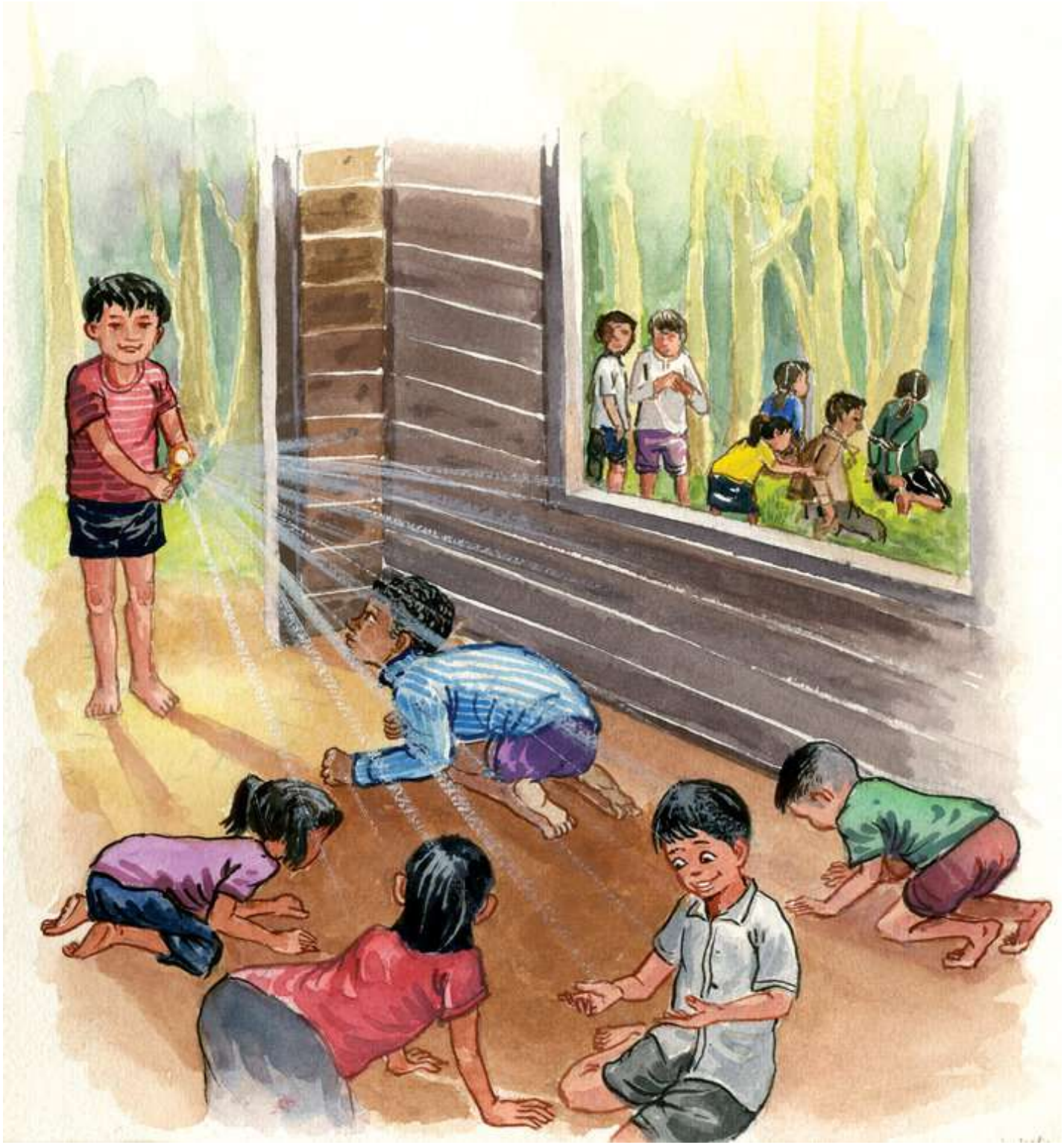

सैम और सोय फौरन चुड़ैल के घर की ओर वापस भागे। उन्होंने अपने प्रत्येक मित्र पर उस दर्पण से रोशनी फेंकी।

यह देखकर वे हैरान रह गए कि दर्पण कि रोशनी पड़ते ही सारे दोस्त वापस इंसान के रूप में बदल गए।
वे सब खुश हो गए और खुशी के साथ नाचने और तालिया बजने लगे। लेकिन सैम उदास था। उसने योगिनी से वादा किया था, इसलिए अब उसे योगिनी के पास वापस लौटना था।

अचानक, योगिनी उसके सामने प्रकट हो गई!

"तुम एक बहादुर और ईमानदार बच्चे हो," योगिनी ने कहा, "तुम अपना वादा भी निभाते हो और दूसरों की परवाह भी करते हो। इस जादुई दर्पण की रक्षा करने के लिए मुझे चुड़ैल ने शाप दिया था। लेकिन अब वह मर चुकी है, इसलिए उसका शाप हट गया है। तुम्हारी वजह से मेरी आज़ादी मुझे वापस मिल गई। मैं यह दर्पण अपनी तरफ से तुम्हें उपहार में देती हूँ। तुम इसका उपयोग किसी ऐसे व्यक्ति की मदद करने के लिए करना जिसे इसकी ज़रूरत हो।”

This book was made possible by Pratham Books' StoryWeaver platform. Content under Creative Commons licenses can be downloaded, translated and can even be used to create new stories - provided you give appropriate credit, and indicate if changes were made. To know more about this, and the full terms of use and attribution, please visit the following link.

Story Attribution:

This story: जादुई दर्पण is translated by Dr. Mohd. Arshad Khan. The © for this translation lies with Dr. Mohd. Arshad Khan, 2020. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Derived from: 'The Magic Mirror', by Magdalena Cooper . © Room to Read , 2013. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Based on Original story: 'កញ្ចក់ទិព្វ', by Nin Monthakondeaklin . © Room to Read , 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. This story may have intermediate versions between the root and parent story. To see all versions, please visit the links.

Images Attributions:

Cover page: A boy holding up a mirror surrounded by monsters by UK Nhal © Room to Read, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 2: Children pointing to a house in the woods by UK Nhal © Room to Read, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 3: Children looking through a window at food by UK Nhal © Room to Read, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 4: Children arguing with each other, by UK Nhal © Room to Read, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 5: Two children looking at other children devouring food, by UK Nhal © Room to Read, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 6: Two children running away from monsters, by UK Nhal © Room to Read, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 7: A witch with little monsters kneeling in front of her, by UK Nhal © Room to Read, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 8: A rat directing two children to an underground burrow, by UK Nhal © Room to Read, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 9: Two children running behind a rat, by UK Nhal © Room to Read, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.

Disclaimer: https://www.storyweaver.org.in/terms_and_conditions

Some rights reserved. This book is CC-BY-4.0 licensed. You can copy, modify, distribute and perform the work, even for commercial purposes, all without asking permission. For full terms of use and attribution, http://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

PRATHAM BOOKS storyweaver

This book was made possible by Pratham Books' StoryWeaver platform. Content under Creative Commons licenses can be downloaded, translated and can even be used to create new stories - provided you give appropriate credit, and indicate if changes were made. To know more about this, and the full terms of use and attribution, please visit the following link.

Images Attributions:

Page 10: Two children talking to a large white rat, by UK Nhal © Room to Read, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 11: Two children talking to a large white rat about a mirror, by UK Nhal © Room to Read, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 12: A boy pointing while talking to a girl, by UK Nhal © Room to Read, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 13: A woman pointing the way for a boy, by UK Nhal © Room to Read, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 14: An eagle landing near a boy holding a baby eagle, by UK Nhal © Room to Read, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 15: A boy talking to an eagle while a baby eagle looks on, by UK Nhal © Room to Read, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 16: A boy saying farewell to an eagle by UK Nhal © Room to Read, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 17: A boy throwing a stick at crocodiles by UK Nhal © Room to Read, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 18: A boy falls in a lake surrounded by crocodiles by UK Nhal © Room to Read, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 19: A boy looks at a temple by UK Nhal © Room to Read, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 20: A boy pleads in front of a monster guarding a mirror by UK Nhal © Room to Read, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 21: A monster points the direction, a boy follows by UK Nhal © Room to Read, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.

Disclaimer: https://www.storyweaver.org.in/terms_and_conditions

Some rights reserved. This book is CC-BY-4.0 licensed. You can copy, modify, distribute and perform the work, even for commercial purposes, all without asking permission. For full terms of use and attribution, http://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

PRATHAM BOOKS storyweaver

This book was made possible by Pratham Books' StoryWeaver platform. Content under Creative Commons licenses can be downloaded, translated and can even be used to create new stories - provided you give appropriate credit, and indicate if changes were made. To know more about this, and the full terms of use and attribution, please visit the following link.

Images Attributions:

Page 22: A girl throws a stone at a witch by UK Nhal © Room to Read, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 23: A boy points a mirror at a flailing witch, by UK Nhal © Room to Read, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 24: A boy points a mirror at children, by UK Nhal © Room to Read, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 25: A monster talks to a group of children by UK Nhal © Room to Read, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.

Disclaimer: https://www.storyweaver.org.in/terms_and_conditions

Some rights reserved. This book is CC-BY-4.0 licensed. You can copy, modify, distribute and perform the work, even for commercial purposes, all without asking permission. For full terms of use and attribution, http://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

जादुई दर्पण

(Hindi)

कुछ बच्चे एक दुष्ट चुड़ैल के जाल में फंसकर भयानक जीव बन जाते है। सैम और सोए अपनी चालाकी से बच जाते हैं। पर आखिर वे कब तक बचते हैं? क्या वे अपने दोस्तों को चुड़ैल के शाप से मुक्ति दिला पाते हैं?

This is a Level 3 book for children who are ready to read on their own.

PRATHAM BOOKS storyweaver

Pratham Books goes digital to weave a whole new chapter in the realm of multilingual children's stories. Knitting together children, authors, illustrators and publishers. Folding in teachers, and translators. To create a rich fabric of openly licensed multilingual stories for the children of India and the world. Our unique online platform, StoryWeaver, is a playground where children, parents, teachers and librarians can get creative. Come, start weaving today, and help us get a book in every child's hand!

This book is shared online by Free Kids Books at https://www.freekidsbooks.org
in terms of the creative commons license provided by the publisher or author.

Want to find more books like this?

https://www.freekidsbooks.org

Simply great free books -

Preschool, early grades, picture books, learning to read,
early chapter books, middle grade, young adult,
Pratham, Book Dash, Mustardseed, Open Equal Free, and many more!

Always Free – Always will be!

Legal Note:

This book is in CREATIVE COMMONS - Awesome!! That means you can share, reuse it, and in some cases republish it, but only in accordance with the terms of the applicable license (not all CCs are equal!), attribution must be provided, and any resulting work must be released in the same manner.

Please reach out and contact us if you want more information: https://www.freekidsbooks.org/about

Image Attribution: Annika Brandow, from You! Yes You! CC-BY-SA.
This page is added for identification.